vinetur

न्यूज़ीलैंड का वाइन निर्यात 6% बढ़कर जून का दूसरा सबसे ऊंचा स्तर रहा।

15% छोटी फसल ने आपूर्ति को कमजोर वैश्विक मांग के करीब लाने में मदद की, जिससे निर्यात मूल्य NZ $2.1 billion के करीब रहा।

मंगलवार, 29 सितंबर 2026



जून 2026 को समाप्त वर्ष में न्यूज़ीलैंड के वाइन निर्यात बढ़े, हालांकि उद्योग ने कहीं छोटी फसल ली थी ; उत्पादकों के अनुसार यह बदलाव आपूर्ति को कमजोर वैश्विक मांग के साथ बेहतर ढंग से मेल कराने में मदद कर रहा है।

न्यूज़ीलैंड वाइनग्रोअर्स, राष्ट्रीय उद्योग निकाय, ने कहा कि जून 2026 तक के 12 महीनों में निर्यात मात्रा 306.2 million liters रही, जो एक साल पहले 288.8 million liters थी। यह 17.4 million liters, यानी 6% की वृद्धि थी। इसी अवधि में निर्यात मूल्य NZ $2.108 billion रहा, जबकि पिछले 12 महीनों में यह NZ $2.098 billion था, जिससे शिपमेंट बढ़ने के बावजूद राजस्व मोटे तौर पर अपरिवर्तित रहा।

ये आंकड़े समूह की 2026 वार्षिक रिपोर्ट में प्रकाशित हुए और न्यूज़ीलैंड के सबसे महत्वपूर्ण कृषि निर्यात क्षेत्रों में से एक

की मिश्रित तस्वीर पेश करते हैं। मात्रा बढ़ी और कुल बिक्री 8% बढ़ी, जिसे निर्यात वृद्धि ने गति दी, लेकिन मूल्य में लगभग स्थिर बदलाव से संकेत मिलता है कि शिपमेंट बढ़ने का कमाई में समान अनुपातिक इजाफा नहीं हुआ।

रिपोर्ट में यह विस्तृत ब्योरा नहीं दिया गया कि कीमतों, उत्पाद मिश्रण या विनिमय दरों ने निर्यात मूल्य को कैसे प्रभावित किया। इसमें इस नतीजे को रिकॉर्ड में जून-वर्ष का उद्योग का दूसरा सबसे ऊंचा कुल बताया गया और कहा गया कि कठिन वैश्विक और घरेलू माहौल के बावजूद प्रमुख विदेशी बाजारों में न्यूज़ीलैंड की वाइन व्यापक श्रेणी से बेहतर प्रदर्शन करती रही।

इसी समय, उत्पादन विपरीत दिशा में गया। 2026 की अंगूर फसल लगभग 440,000 मीट्रिक टन रही, जो पिछले विंटेज से 15% कम थी। इस गिरावट के आधार पर, पिछली फसल लगभग 517,600 मीट्रिक टन रही होगी, यानी साल-दर-साल लगभग 77,600 मीट्रिक टन की कमी। उद्योग निकाय ने कहा कि छोटी फसल उत्पादन को मौजूदा बाजार मांग के अधिक करीब ला रही है और टिकाऊ दीर्घकालिक वृद्धि पर फोकस को समर्थन दे रही है।

यह कमी महत्वपूर्ण है क्योंकि निर्यात अब भी इस क्षेत्र के व्यवसाय मॉडल के केंद्र में हैं। न्यूज़ीलैंड वाइनग्रोअर्स ने कहा कि विदेशी शिपमेंट न्यूज़ीलैंड की सभी वाइन बिक्री का लगभग 90% हैं। व्यवहार में, इससे उत्पादक विदेशों में उपभोक्ता मांग में बदलाव, इन्वेंट्री स्तरों और प्रमुख आयातक देशों में मूल्य दबाव के प्रति बेहद संवेदनशील रहते हैं।

उद्योग नेताओं ने पिछले वर्ष को संकुचन के बजाय समायोजन का वर्ष बताया। न्यूज़ीलैंड वाइनग्रोअर्स के अध्यक्ष फैबियन युकिच ने कहा कि वैश्विक वाइन उद्योग ने एक चुनौतीपूर्ण वर्ष का सामना किया था, लेकिन न्यूज़ीलैंड के उत्पादकों ने लचीलापन दिखाया। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट दर्शाती है कि उत्पादक और वाइनरी अनुकूलन कर रहे हैं और अधिक संतुलित स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं।

वार्षिक रिपोर्ट में कई प्रमुख गंतव्यों में मजबूती का उल्लेख किया गया, जिनमें संयुक्त राज्य, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और चीन शामिल हैं। रिलीज़ में बाजार-दर-बाजार निर्यात तालिका का पूरा ब्योरा प्रकाशित नहीं किया गया, लेकिन कहा गया कि 12 महीनों में चीन को शिपमेंट 72% बढ़े और दक्षिण कोरिया को निर्यात 20% बढ़ा। ये बढ़तें इसलिए खास हैं क्योंकि ये ऐसे दौर में आईं जब कई वाइन-उत्पादक देश नरम मांग, उपभोक्ताओं के लिए बढ़ी जीवन-लागत और ऐच्छिक खर्च पर दबाव से जूझ रहे थे।

न्यूज़ीलैंड का निर्यात प्रोफाइल प्रीमियम सफेद वाइनों, खासकर Sauvignon Blanc, में उसकी प्रतिष्ठा से गहराई से जुड़ा है, और देश अक्सर अंग्रेज़ी-भाषी बाजारों में व्यापक वाइन श्रेणी से बेहतर प्रदर्शन करता रहा है। फिर भी, ताज़ा आंकड़े दिखाते हैं कि जब वैश्विक बाजार दबाव में हो, तब केवल मात्रा वृद्धि मूल्य में मजबूत उछाल लाने के लिए पर्याप्त नहीं होती।

आंकड़े यह भी संकेत देते हैं कि उत्पादक बिना बिके स्टॉक के जमाव से बचने की कोशिश कर सकते हैं। मजबूत निर्यात वर्ष के बाद छोटी फसल, अगर मांग असमान बनी रहे, तो इन्वेंट्री पर दबाव कम कर सकती है। उद्योग निकाय ने सीधे यह नहीं कहा कि छोटे विंटेज का मुख्य कारण इन्वेंट्री घटाना था, लेकिन उसने कम उत्पादन स्तर को मौजूदा बाजार परिस्थितियों के साथ अधिक निकटता से मेल कराने की आवश्यकता से जोड़ा।

जुलाई में पद संभालने वाली न्यूज़ीलैंड वाइनग्रोअर्स की मुख्य कार्यकारी अनिश्का जेलिचिच ने कहा कि वार्षिक रिपोर्ट नई उद्योग रणनीति के तहत अगले चरण की शुरुआत को चिह्नित करती है। उन्होंने कहा कि संगठन का फोकस उत्पादकों और वाइनरियों को बेहतर जानकारी, पैरवी और व्यावहारिक सहायता देने पर होगा, ताकि वे अधिक कठिन बाजार में सूचित फैसले ले सकें।

वार्षिक रिपोर्ट ने ऐसी नीतिगत प्रगति की ओर भी इशारा किया जो लंबी अवधि में महत्वपूर्ण हो सकती है। उद्योग समूह ने कहा कि न्यूज़ीलैंड-भारत मुक्त व्यापार समझौता न्यूज़ीलैंड वाइन पर चरणबद्ध टैरिफ कटौती तय करके निर्यातकों के लिए भविष्य का अवसर बनाता है। ऐसे क्षेत्र के लिए जो 100 से अधिक देशों को निर्यात करता है लेकिन अब भी कुछ बड़े

बाजारों पर भारी निर्भर है, भारत में कम बाधाएं अगर वहां उपभोक्ता मांग विकसित होती है, तो एक अतिरिक्त बाज़ार उपलब्ध करा सकती हैं।